राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण सोमवार,18 मई2020 वर्ष–2, अंक –75 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लॉकडाउन में बढ़े पोर्न साइट्स के यूजर्स

जमकर देख रहे लोग पोर्न साइट्स

लंदन (ईएमएस)। लाकडाउन में पोर्न वेबसाइट के यूजर्स लगातार बढ रहे हैं। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए कई देशों में किया गया लॉकडाउन पॉर्न साइट्स के लिए बड़े फायदे लेकर आया है। पूरी दुनिया लॉकडाउन में ऑनलाइन हो चली है और लोग जमकर पॉर्न देख रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी पॉर्न साइट्स में से एक, पॉर्नहब का ट्रैफिक मार्च के मुकाबले अप्रैल में 22 पर्सेंट बढ़ गया है। छोटी साइट्स के रेवेन्यू में भी खासा उछाल देखने को मिला है। आपको बता दें कि भारत में पॉर्न साइट्स पर बैन है मगर लोग कई तरीकों के जरिए इन्हें ऐक्सेस कर लेते हैं। एक अमेरिकन इनवेस्टमेंट फर्म के एक्सपर्ट बताते हैं कि कोरोना वायरस महामारी के बाद, पॉर्नग्रफी का यूज लगभग दोगुना हो गया है। न्यूड मॉडल्स को ऑनलाइन स्ट्रीम करने वाली बुखारेस्ट की एक फर्म के मुताबिक, शादीशुदा जिंदगियों पर लॉकडाउन ने असर डाला है। ब्रेकअप्स हुए हैं और इससे उनके प्रॉफिट्स में बढ़त देखी गई है। बहुत कम पॉर्न कंपनीज अपने रेवेन्यू का खुलासा करती हैं। ऐसे में उन्हें कितना फायदा हुआ है, इसका ठीक–ठाक पता लग पाना मुश्किल है।

लॉकडाउन और सोशल डिसटेंसिंग प्रोटोकॉल की वजह से पॉर्न इंडस्ट्री में तेजी से बदलाव आ रहा है। नई फिल्मों का प्रॉडक्शन रुक गया है। स्टूडियोज पुरानी फुटेज को एडिट कर पेश कर रहे हैं। कई प्रॉडक्शन कंपनीज से उन ऐक्टर्स के यहां प्रोफेशनल कैमरा भेजना शुरू कर दिया है जो एकसाथ रहते हैं। वो साथ में वीडियो बनाते हैं, एडिट करने के लिए ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स उपलबध कराए गए हैं। बहुत सारे ऐक्टर्स ने प्रोड्यूसर्स पर निर्भरता खत्म कर दी है। वे स्मार्टफोन पर शूट करते हैं और नई 'एडल्ट' वेबसाइट्स को बेच देते हैं। ये सब्सिक्रिप्शन बेस्ड वेबसाइट्स रेवेन्यू का एक हिस्सा (करीब 20 पर्सेंट) अपने पास रखती हैं और बाकी ऐक्टर्स को मिल जाता है। मालूम हो ?कि पूरी दुनिया कोरोना वायरस से परेशान है। तीन लाख से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। 45 लाख से ज्यादा आबादी इस वायरस का शिकार हुई है। हालात इतने भयावह है कि आवाजाही ठप है। हर तरफ इंडस्ट्रीज को बुरी चोट लगी है। विकसित देश कुछ कर पाने की बजाय मौतों के आंकड़े गिन रहे हैं।

इंसानों से बिल्लियों में फैल सकता है कोरोना वायरस का संक्रमण

– विशेषज्ञों ने दी जानवरों से दूर रहने की सलाह

लंदन (ईएमएस)। कोरोना वायरस आज दुनिया के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। इसे लेकर कई तरह के शोध और दावे सामने आए हैं। अब ऐसा ही दावा यही भी किया जा रहा है कि इंसानों से बिल्लियों में भी कोरोना वायरस फैल सकता है। चिंता की बात यह है कि बिल्लियों में संक्रमण के लक्षण नजर नहीं आते हैं। वायरस एक्सपर्ट पीटर हफमैन के मुताबिक बिल्लियों को इंसान से कोरोना होने की अधिाक संभावना है। ऐसे में संक्रमित बिल्ली बाकी बल्लियों के लिए भी खतरनाक साबित हो सकती हैं। इन बिल्लियों में कभी भी कोविड–19 के लक्षण भी नजर नहीं आएंगे, जिससे समस्या और बढ़ सकती है। पीटर का कहना है कि ऐसे में इंसानों के लिए अपने पालतू जानवर से दूरी बनाना बहुत आवश्यक है।

हाल ही में विस्कोन्सिन यूनिवर्सिटी में पीटर और उनके एक साथी ने यूनिवर्सिटी की वेटनेरी मेडिसिन लैब में एक प्रयोग किया था। एक संक्रमित इंसान के साथ तीन बिल्लियों को रखा गया। इन तीनों को फिर एक ऐसी बिल्ली के साथ रखा गया था जिसमें संक्रमण नहीं था। पांच दिनों के अंदर इन सभी बिल्लियों के टेस्ट पॉजिटिव आए। पीटर ने बताया कि इन सभी बिल्लियों में लक्षण नहीं दिखाई दिए। न ही उन्हे कोई छींक हुई और न खांसी। इतना ही नहीं उनके शरीर का तापमान भी कभी कम नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि हाल ही में अमेरिका के न्यूयॉर्क में दो पालतू बिल्लियां कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई हैं। यह इस तरह काम पहला मामला था।

यूरोप के कई शहरों में लॉक. डाउन के विरोध में प्रदर्शन

लंदन(ईएमएस)। कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर लागू लॉकडाउन के दौरान पाबंदियों के विरोध में यूरोप के कई शहरों में शनिवार को लोगों ने प्रदर्शन किए। पोलैंड में जहां प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर करने के लिये आंसू गैस के गोले छोड़े गए, वहीं लंदन के हाइड पार्क में एकत्र भीड़ से कई लोगों को गिरफ्तार किया गया।जर्मनी के कई शहरों में हजारों की संख्या में लोग एकत्र हुए, जिसके कारण पुलिस को सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करवाने के लिए सख्ती करनी पड़ी। स्टटगार्ट शहर की पुलिस ने कहा कि पांच हजार की संख्या तक लोगों को प्रदर्शन की अनुमति थी लेकिन संख्या बढने पर लोगों को अन्य खुले स्थान पर जाने के निर्देश दिए गए। वहीं, म्यूनिख के एक बड़े मेला स्थल पर अनुमति के अनुसार एक हजार प्रदर्शनकारी एकत्र हुए।–दइेच;बर्लिन के मध्य एलेक्जेंड्राप्लेट्ज स्क्वायर पर कई दर्जन प्रदर्शनकारियों ने तेज संगीत के माध्यम से वायरस–रोधी नियमों के प्रति विरोध दर्ज करवाया। पोलैंड की राजधानी में लॉकडाउन की पाबंदियों के विरोध में हुए प्रदर्शन में एक सीनेटर समेत दर्जनों लोगों को हिरासत में लिया गया और पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर बितर करने के लिये आंसू गैस के गोले भी छोड़े।–दइेच;इस बीच, ब्रिटेन में भी लॉकडाउन के विरोध में प्रदर्शनकारी लंदन के हाइड पार्क में एकत्र हुए और इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा।;प्रदर्शनकारियों ने आजादी के नारे लगाए। लंदन पुलिस ने 13 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार भी किया।

54 दिनों से जारी लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ा, रियायतों को बढ़ाया जाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोनावायरस के प्रसार को कम करने के लिए 54 दिनों से जारी लॉकडाउन को 31 मई तक बढ़ा दिया गया है। लॉकडाउन का यह चौथा चरण है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीए) ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि कोरोनावायरस से निपटने के लिए लागू लॉकडाउन की अवधि 31 मई तक बढ़ाई गई। एनडीए ने कहा कि कोविड–19 को फैलने से रोकने के लिए लॉकडाउन की अवधि को बढ़ाया गया है, नए दिशा–निर्देश जारी किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में चौथे चरण की लॉकडाउन की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि लॉकडाउन का चौथा चरण नए रंग रूप वाला होगा।

गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार...

. मेट्रो और रेल सेवाएं अभी नहीं चलेगी।
. घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पाबंदी जारी रहेगी।
. शॉपिंग मॉल बंद रहेंगे।
. धार्मिक स्थल बंद रहेंगे।
. राज्यों के बीच आपसी सहमति के बीच बसों की सेवाएं।
. कंटेनममेंट ज़ोन को छोड़कर अंतरराज्यीय बस सेवाएं शुरू होंगी।
. कंटेनमेंट जोन में बस सेवाएं नहीं।
. बुजुर्ग और 10 साल से कम उम्र के बच्चे घर पर रहें।
. शाम–7 बजे सुबह 7 बजे तक कर्फ्यू जारी रहेगा।
. अब रेड, ग्रीन और ऑरेंज जोन राज्य तय करेंगे।
. स्वास्थ्यकर्मी एक राज्य से दूसरे राज्य में आ जा सकते हैं।
. स्टेडियम और स्पोर्ट्स कांपलेक्स खुल सकते हैं। लेकिन दर्शकों की अनुमति नहीं होगी ।

ज्ञात रहे कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा था कि लॉकडाउन के चौथे चरण के बारे में जानकारी 18 मई से पहले दे दी जाएगी। उन्होंने कहा था कि लॉकडाउन का चौथा फेज होगा, लेकिन यह पूरी तरह से नए रंग रूप वाला होगा। इसके लिए नए नियम तय किए जाएंगे ताकि बाकी कामों के साथ सामंजस्य बैठाते हुए लोग दो गज दूरी का भी पालन किया जाए।

देश लॉकडाउन का पहला चरण – 25 मार्च से 14 अप्रैल तक 21 दिनों के लिए लगाया गया था। इसके बाद दूसरे चरण के लॉकडाउन की घोषणा की गई, जो 15 अप्रैल से 3 मई तक (19 दिन) रहा। इसके बाद 14 दिनों के लिए 4 मई को लॉकडाउन के तीसरे चरण की घोषणा की गई जो 17 मई यानी आज खत्म हो रहा था। देश में पिछले 54 दिनों से लॉकडाउन लागू है। हालांकि इसके बावजदू भी कोरोना संक्रमण के मामले दिन बन दिन बढ़ते जा रहे हैं।

गृह मंत्रालय ने राष्ट्रव्यापी कोरोनो वायरस लॉकडाउन के चौथे चरण के दौरान दुकानें और बाजार खोलने की सशर्त इजाजत दे दी है। स्थानीय अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि रोस्टर के अनुसार अलग–अलग समय पर दुकानें खुली रहें, ताकि सोशल डिस्टेंस सुनिश्चित हो सके।

सभी दुकान मालिकों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि ग्राहक दो गज की दूरी (एक दूसरे से न्यूनतम छह फीट की दूरी) बनाए रखें। किसी भी समय किसी भी दुकान में पांच से अधिक लोगों को अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। सरकार ने कहा है कि शॉपिंग मॉल लॉकडाउन के चौथे चरण में भी बंद रहेंगे।

कंपनियों और निजी कार्यालयों के संदर्भ में गृह मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि जहां भी संभव हो, वर्क फ्राम होम पॉलिसी (घर से काम करने की नीति) का पालन किया जाना चाहिए। सभी कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठानों में सभी प्रवेश और निकास द्वारों पर थर्मल स्कैनिंग हो और सैनिटाइजर का उपयोग किया जाए। दफ्तरों, संस्थानों में काम का समय अलग–अलग अपनाया जाए।

भारत में बीतें 24 घंटे में हुई 120 कोरोना मरीजों की मौत, संक्रमण के 4,987 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कोविड–19 के कारण बीते 24 घंटे में 120 लोगों की मौत के साथ मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,872 हो गई। इसी अवधि में संक्रमण के 4,987 नए मामले सामने आने के बाद रविवार सुबह तक कुल 90,927 हो गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि ये आंकड़े शनिवार सुबह आठ बजे से सामने आए हैं। मंत्रालय ने बताया कि देश में 53,946 मरीजों का इलाज चल रहा है, इसमें से 34,108 मरीज ठीक हो चुके हैं, और एक मरीज देश से बाहर चला गया। स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इस तरह अभी तक करीब 37.51 फीसदी मरीज ठीक हो चुके हैं।''

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश के तीन राज्यों में संक्रमण के 10,000 से अधिक मामले हैं,इसमें सर्वाधिक 30,706 मामले महाराष्ट्र में हैं। गुजरात में 10,988 मामले और तमिलनाडु में संक्रमण के 10,585 मामले हैं। संक्रमण के कुल मामलों में वे विदेशी नागरिक भी शामिल हैं जिनकी भारत में जांच हुई। शनिवार सुबह आठ बजे से जिन 120 लोगों की मौत हुई है उनमें से 67 महाराष्ट्र में, 19 गुजरात में, नौ उत्तर प्रदेश में, सात पश्चिम बंगाल में, छह दिल्ली में, चार मध्यप्रदेश में, तीन तमिलनाडु में, दो हरियाणा में और एक–एक मरीज की मौत आंध्र प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और राजस्थान में हुई। कुल 2,872 मरीजों की देशभर में मौत हुई है जिनमें सर्वाधिक 1,135 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई। गुजरात में 625 लोगों की, मध्यप्रदेश में 243 लोगों की, पश्चिम बंगाल में 232 लोगों की, दिल्ली में 129 लोगों की, राजस्थान में 126 मरीजों की, उत्तरप्रदेश में 104 लोगों की, तमिलनाडु में 74 मरीजों की और आंध्रप्रदेश में 49 लोगों की मौत हुई।

संक्रमण से कर्नाटक में 36 लोगों की मौत हो चुकी है, तेलंगाना में 34 की, पंजाब में 32 की, हरियाणा में 13 की, जम्मू–कश्मीर में 12 लोगों की, बिहार में सात लोगों की और केरल में चार लोगों की मौत संक्रमण के कारण हुई। झारखंड, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा में तीन–तीन लोगों की मौत हुई है तथा असम में दो मरीजों की मौत हुई। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक मेघालय, उत्तराखंड और पुडुचेरी में कोविड–19 के एक–एक मरीज की मौत हुई। मंत्रालय के मुताबिक संक्रमण से मौत के 70 फीसदी से अधिक मामलों में मरीज अन्य गंभीर बीमारियों से भी ग्रस्त से थे। स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार की सुबह के डेटा के मुताबिक देश में संक्रमण के सर्वाधिक 30,706 मामले महाराष्ट्र में, 10,988 मामले गुजरात में, 10,585 मामले तमिलनाडु में, 9,333 मामले दिल्ली में, 4,960 मामले राजस्थान में, 4,789 मामले मध्य प्रदेश में और 4,258 मामले उत्तर प्रदेश में हैं। पश्चिम बंगाल में कोविड–19 के मामले बढ़कर 2,576 हो गए, 2,355 मामले आंध्र प्रदेश में और 1,946 मामले पंजाब में हैं। तेलंगाना में 1,509 मामले, बिहार में 1,179 मामले, जम्मू–कश्मीर में 1,121 मामले, कर्नाटक में 1,092 मामले और हरियाणा में कोविड–19 के 887 मामले हैं। ओडिशा में कोरोना वायरस संक्रमण के 737 मामले, केरल में 587 मामले, झारखंड में 217 मामले तथा चंडीगढ़ में 191 मामले हैं।

त्रिपुरा में संक्रमण के 167 मामले, असम में 92 मामले, उत्तराखंड में 88 मामले, हिमाचल प्रदेश में 78 मामले, छत्तीसगढ़ में 67 मामले और लद्दाख में अब तक संक्रमण के 43 मामले हैं। अंडमान–निकोबार द्वीपसमूह में कोविड–19 के 33 मामले हैं। गोवा में संक्रमण के 17 मामले, मेघालय और पुडुचेरी में 13–13 मामले हैं। मणिपुर में कोरोना वायरस के सात मामले, अरुणाचल प्रदेश तथा दादर–नागर हवेली में एक–एक मामला है।

भारत में रेड लाइट बढ़ा रहे संक्रमण

सर्वे की राय, बंद तो 72 फीसदी कम हो सकते हैं पॉजिटिव मामले

वॉशिंगटन(ईएमएस)। भारत में कोरोना वायरस के केस एक लाख के करीब पहुंच रहे हैं और लॉकडाउन चौथे चरण में पहुंचने वाला है। लॉकडाउन में ढील की मांग भी जा रही है ताकि अर्थव्यवस्था को बड़े नुकसान से बचाया जा सके। इस बीच अमेरिका की येल और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की एक स्टडी में यह बात सामने आई है कि अगर भारत में रेड लाइट एरिया को बंद रखा जाए तो कोरोना पॉजिटिव मामलों में 72 फीसदी तक कमी देखी जा सकेगी। येल स्कूल ऑफ मेडिसिन के बायोस्टेटिस्टिक्स प्रोफेसर डॉ. जेफरी टाउनसेंड के मुताबिक लॉकडाउन खुलने के साथ ही पॉजिटिव मामले बढ़ने की आशंका भी बढ़ जाएगी। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार को कदम उठाने होंगे।

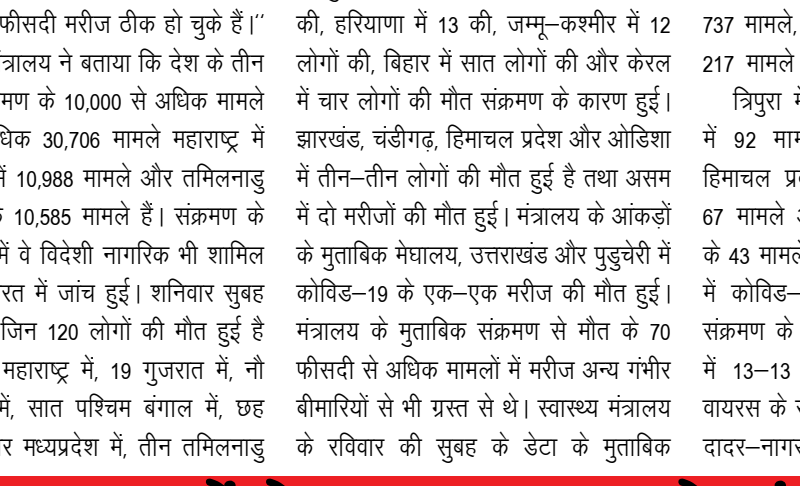

भारत में 6,37,500 सेक्स वर्कर

नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक भारत में कम से कम 6,37,500 सेक्स वर्कर्स हैं। हर दिन कम से कम 5 लाख कस्टमर रेड लाइट एरिया में जाते हैं। जाहिर है कि ऐसे में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन रेड लाइट एरिया में होना मुमकिन नहीं है और बड़ी संख्या में लोग इन्फेक्शन के खतरे में होंगे। इस स्टडी के मुताबिक अगर रेड लाइट एरिया बंद कर दिए तो लॉकडाउन के 45 दिन के अंदर कोरोना मामलों में 72 फीसदी कमी हो सकती है। यही नहीं, भारत को इन्फेक्शन की पीक को टालने के लिए 17 दिन और मिल जाएंगे। इसके अलावा मौत का आंकड़ा लॉकडाउन के 60 दिन बाद तक 63 फीसदी तक कम हो जाएगा। यह स्टडी भारत के पांच शहरों मुंबई, पुणे, दिल्ली, नागपुर और कोलकाता पर की गई थी।

उठाए जाएं कदम

स्टडी में कहा गया है कि एहतियातन कदम उठाने से हजारों सेक्स–वर्करों की भी जान बचेगी। सरकार को सेक्स वर्करों की हेल्थ और सेफ्टी का ध्यान रखना चाहिए और गरीब लोगों को दी जा रही आर्थिक राहत का फायदा भी उन्हें मिलना चाहिए। लॉकडाउन की स्थिति में सेक्स वर्कर्स को दूसरी जगहों पर काम दिलवाना चाहिए ताकि आर्थिक तंगी का सामना न करना पड़े।

चंद दिनों के अंदर भारत में दो बार घुसे चीनी हेलिकॉप्टर

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले दिनों भारत और चीन की सेना में झड़प हुई थी।इसके बाद अब लाहौल–स्पीति जिले के एसपी राजेश धर्मानी कुछ नए खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि 11 अप्रैल को चीनी हेलिकॉप्टर लाहौल स्पीति जिले के संधो क्षेत्र में करीब 12–15 किलोमीटर तक अंदर घुस आए थे। इसके बाद 20 अप्रैल को फिर से चीनी हेलिकॉप्टरों ने उसी इलाके में घुसपैठ की। उन्होंने बताया कि सीआईडी और अन्य इंटेलिजेंस एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट संबंधित अथॉरिटीज को सौंप दी है। लद्दाख के पेंगोंग सो सेक्टर में तीन स्थ. ानों पर दोनों पक्षों के 250 से अधिक सैनिकों के बीच 5 और 6 मई को हिंसक झड़प हुई थी। दोनों तरफ से डंडे चले थे और पथराव हुआ था। सूत्रों के मुताबिक इन झड़पों में कुछ अधिकारी और कई सैनिक घायल हुए थे। भारतीय सेना मई–अक्टूबर के बीच लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश के बीच चीन से लगी 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा पर सतर्क नजरें रख रही है। अभी तक चीनी सैनिक अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के हिस्सों में भारतीय सेना से भिड़ने की कोशिश करती रही है लेकिन चौंकाने वाली बात है कि चीन ने अब नए इलाकों में जैसे उत्तरी सिक्किम के नाकू ला की तरफ भी रुख किया है।

नई दिल्ली में रविवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार को दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने उनके दल्लूपुरा पर बिना किसी लिखित आदेश के हाउस अरेस्ट कर लिया और घर से बाहर नहीं जाने दे रहे है।

गृहस्थ संत दद्दाजी का निधन

कटनी (ईएमएस)। गृहस्थ संत पंडित देवप्रभाकर शास्त्री दद्दाजी का रविवार को रात 8.25 बजे निधन हो गया। उनके निधन की खबर सुनते ही उनके शिष्यों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। गौरतलब है कि दद्दाजी के स्वास्थ्य खराब होने की जानकारी मिलते ही रविवार सुबह से वीआइपी सहित बड़ी संख्या में शिष्य दर्शन के लिए पहुंचे थे। मंत्री, विधायक, पूर्व मंत्री, जनप्रतिनिधि, फिल्म अभिनेता सहित हजारों की तादाद में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। गृहस्थ संत पंडित देव

प्रभाकर शास्त्री दद्दाजी को पैरालिसिस अटैक आया था और उनको इलाज कराने गंगाराम अस्पताल लेकर जाया गया था। वहां के डॉक्टर्स ने शनिवार को कहा कि मेडिकल साइंस में जो भी बेहतर से बेहतर प्रयास हैं वह किए गए हैं और दद्दा जी को घर ले जाना उचित होगा। उसके बाद दद्दाजी को लेकर उनके शिष्य कटनी उनके आश्रम आ गए थे। जहां रविवार की रात उन्होंने अंतिम सांस ली।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

विनाशकाले विपरीत.....?
सरकार की सोच पर प्रश्नचिन्ह....
पैसा जरूरी या जन स्वास्थय....?

देश के लिए यह कितने विस्मय की बात है कि केन्द्र व राज्य सरकारों ने जनता के स्वास्थ्य और पैसे में से पैसे को तरजीह दी और जनता के स्वास्थ्य को उसके हाल पर छोड दिया ? एक और अर्न्तराष्ट्रीय महामारी की दहशत के कारण विश्व के अधिकांश देशो के साथ भारत भी पिछले डेढ माह से बंद (लॉकडाउन) है, मार्च के द्वितीय सप्ताह से देश मे कोरोना महामारी से पीडितों के आंकडे दिन–दूने रात चौगुने बढते जा रहे है, भारत में पीडितो की संख्या बढकर पचहत्तर हजार तक पहुच रही है, इस बीच सरकार की चिंता की प्राथमिकता बदल गई, पिछले सप्ताह तक जो सरकार कोरोना महामारी से बचाव के उपदेश दे रही थी, उसी सरकार की अचानक चिंता की प्राथमिकता बदल गई और अब महामारी की चिंता की जगह पैसे ने ले ली। इसीलिए पिछले सप्ताह तक जो सरकार सोशल डिस्टेंसिंग (सामाजिक दूरी) की बात कर रही थी, जो प्रधानमंत्री दो मीटर दूरी का मंत्र प्रसारित कर रहे थे, उसी सरकार ने अचानक पूरे देश में बंद शराब की दुकानो को खोलने के आदेश जारी कर दिए, इस दलील के साथ कि केन्द्र व राज्य सरकारो को राजस्व की हानि हो रही है, और वे आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे है, सरकार के आदेश पर शराब दुकाने खुलते ही 'पियक्कड़ों' ने महामारी की सभी बंदिशे ध्वस्त कर दी, शराब की दुकानों पर इतनी भीड हो गई कि कई जगह पुलिस को लाठीचार्ज करने पडे, और इसका परिणाम यह हुआ कि महामारी पीडितो की संख्या में अकल्पनीय वृद्वि होने लगी, पिछले सप्ताह देश में पीडितो का जो आंकडा 35 से 40 हजार के बीच था, वह तीन चार दिनों मे दुगुना होकर पचहत्तर हजार तक पहुच गया साथ ही ग्रीन, ओरेन्ज और रेड झोनो की व्यवस्था भी ध्वस्त हो गई।

अब देश के जागरूक व बुद्विजीवी नागरिको के बीच में एक ही सवाल है कि, क्या देश का आर्थिक सुधार आम जनता के स्वास्थ्य को खतरे में डालकर करने का प्रयास उचित व देशहित में है ? और क्या आर्थिक व्यवस्था में सुधार का यही एक विकल्प था ? देश के धनपतियो से बकाया वसूली का अभियान चलाकर आर्थिक व्यवस्था ठीक नही की जा सकती ? अब आप शराब पर कितना ही कोरोना टैक्स लगाकर उसे मंहगी कर दे, किन्तु जिन्हे पीना है, वे तो परिवार व बच्चों की दाल रोटी छीनकर उन पैसो से शराब लाकर पीयेगे, क्या ऐसे मे ये देश व यहॉ के गरीब परिवार सुखी रह पाएगे?

इन सब सरकारी विसंगतियों के बीच यह भी कम आश्चर्यजनक नही है कि कोरोना महामारी से लेकर केन्द्र सरकार के सुरों मे अचानक बदलाव आ गया, जो सरकार कल तक इस महामारी के प्रकोप से क्षति की संभावना बताकर देश को डरा–धमका रही थी, वही सरकार अब कहने लगी है कि "अब हमें इस महामारी के साथ जीने की आदत डालनी होगी" जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन का भारत के बारे कहना है कि "इस कोरोना से बचाव के सार्थक उपाय नही खोजे गए तो अगले कुछ दिनों में ही भारत में एक लाख नब्बै हजार लोग स्वर्ग सिधार जाएगे" किन्तु विश्व स्वास्थ्य संगठन की इस चेतावनी को भी पैसे बटोरने के चक्कर में सरकार ने नजर अंदाज कर दिया है, अब तो केन्द्र व राज्य सरकारों का एक ही लक्ष्य रह गया है और वह यह कि 'येन–केन प्रकरेण' पैसा इकटठा करना, फिर वह चाहे कोरोना टैक्स से हो या पैट्रोल, शराब, रसोई गैस व अन्य दैनंदिनी वस्तुओ की कीमते बढ़ाकर ?

इस प्रकार मेरी इस लम्बी–चौडी दलील की उद्देश्यपूर्ण चेतावनी यह है कि देश की जनता को यदि जीवित रहना है तो वह स्वंय अपनी चिंता करे, क्योंकि केन्द्र व राज्य सरकारों की अब अपनी प्राथमिकताएँ बदल गई है, फिर हमारा देश चाहे किसी भी क्षैत्र में अमेरिका की बराबरी तो नही कर पाया, पर कोरोना महामारी विस्तार व उससे +क्षति के क्षैत्र में तो बराबरी कर ही लेगा ?

(विचार–मंथन)

सड़क पर मजदूर

लॉकडाउन के बीच देश के तमाम शहरों से पैदल ही मजदूरों के पलायन और औरंगाबाद ट्रेन हादसे का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट ने जब सवाल किया कि क्या पैदल चलकर जा रहे मजदूरों को किसी तरह से रोका जा सकता है तो सरकार ने जवाब दिया कि राज्य सरकारें ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था कर रही है। पर लोग कई बार गुस्से में आ रहे हैं और पैदल निकल रहे हैं वो इंतजार नहीं कर रहे हैं। सरकार ऐसे लोगों से सिर्फ ये आग्रह कर सकती है कि वह पैदल न चलें बल्कि ट्रांसपोर्ट ले लें लेकिन अगर कोई मान नहीं रहा तो क्या किया जा सकता है। सरकार के इतना भर कह देने से न तो मजदूरों की समस्या दूर हो सकती है और न ही मौजूदा परिस्थिति को बदला जा सकता है। बड़ा सवाल यह है कि लॉकडाउन के बाद मजदूरों का रेला सड़कों पर आ गया और राज्य सरकारें सोती रहीं। जब चीजें हाथ से बाहर हो गईं तो मदद के हाथ आगे बढ़े। हालांकि, अब कोरोना महामारी के फैलाव और लॉकडाउन की लंबी अवधियों के बीच भारत में श्रमिकों के हालात और अर्थव्यवस्था में उनके योगदान और श्रम रोजगार से जुड़ी राजनीतिक आर्थिकी के कुछ अनछुए और अनदेखे अध्याय भी खुल गए हैं। पहली बार श्रम शक्ति की मुश्किलें ही नहीं, राज्यवार उससे जुड़ी पेचीदगियां भी खुलकर दिखी हैं। एक साथ बड़े पैमाने पर प्रवासी मजदूरों की मनोदशा के अलावा उन्हें काम देने वाले उद्यमों की जरूरत को भी समझने की जरूरत है। सच्चाई यह भी है कि सरकारें सहानुभूति दिखा सकती हैं लेकिन खर्च वही कर सकती हैं जो उनके पास है। राज्यों को इस तरह का विकास करने की जरूरत है कि उनके पास जरूरी कुशल मजदूर रहें, उन्हें उचित मजदूरी मिले और मजदूरों का कल्याण भी हो।

कोरोना संकट के बीच आने वाले दिनों के लिए श्रम शक्ति में सुधार से जुड़े सवाल भी उठे हैं और संघीय ढांचे वाले भारत के लिए विकास कार्यक्रमों और नीतियों पर नये सिरे से चिंतन और क्रियान्वयन की जरूरत भी आ पड़ी है। राष्ट्रीय सैंपल सर्वे कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक भारत में श्रम शक्ति भागीदारी दर करीब आधा रह गई है। यानी पहली बार ऐसा हुआ है कि 15 साल से ऊपर काम करने वाली भारत की आधी आबादी, किसी भी आर्थिक गतिविधि में योगदान नहीं दे पा रही है।

वित्तीय सुरक्षा की जिम्मेदारी नियोक्ताओं की भी है और सरकारों की भी। और उनके हालात पर भी गौर करना चाहिए जो स्वरोजगार से जुड़े हैं। अध्ययनों के मुताबिक असंगठित क्षेत्र में सिर्फ 17 प्रतिशत कामगार ऐसे हैं जिनके नियोक्ता पहचाने जा सकते हैं। शेष 83 प्रतिशत कामगारों का नियोक्ता कौन है, कोई नहीं जानता, फिर उनकी आमदनी या आय कैसे सुरक्षित रह पाएगी। उन्हें काम पर रखा जाएगा या

का अपने घरों को लौटने के असाधारण फैसले के जवाब में सरकारों के पास कोई ठोस कार्रवाई या राहत प्लान नहीं दिखा, जिससे समय रहते हालात सामान्य हो पाते। प्रवासी मजदूरों के बीच जान बचाने और अपने घरों को लौट जाने की देशव्यापी दहशत के बीच सरकारों की मशीनरी भी असहाय सी दिखी।

गुजरात, पंजाब और तमिलनाडु जैसे राज्य भले ही विकास के कई पैमानों पर अव्वल राज्यों में आते हों लेकिन अपने अपने घरों को बेतहाशा लौटते मजदूरों को रोके रखने के उपाय करने में वे भी पीछे ही रहे। हालांकि यह भी एक सच्चाई है कि भारत में प्रवासी मजदूरों की स्थिति विभिन्न राज्यों के असमान विकास के साथ जुड़ी हुई है। मजदूरों नहीं, ये कैसे सुनिश्चित हो पाएगा। गांव से शहर, फिर शहर से वापस गांव या गांव से अन्य गांवों की ओर पलायन करने वाले लोगों की संख्या करीब 10 करोड़ आंकी गई है। कोरोना संकट के दौर में यह भी एक सबक है कि असंगठित क्षेत्र के इस स्वरूप को बदलने के नीतिगत फैसले होने चाहिए। उस पर असुरक्षित, अस्थाई, गारंटी विहीन या सामाजिक सुरक्षा विहीन होने का जो ठप्पा लगा है, उसे मिटाना होगा। कुशल या अकुशल मजदूरों के पलायन को रोकने और आर्थिक विकास का मजबूत आधार बनाने के लिए हर राज्य में वहां की परिस्थितियों के अनुरूप प्रयास जरूरी है। नौकरी की तलाश में वही लोग निकलते हैं जिन्हें अपने यहां कोई संभावना नहीं दिखती।

(विचार–मनन)

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

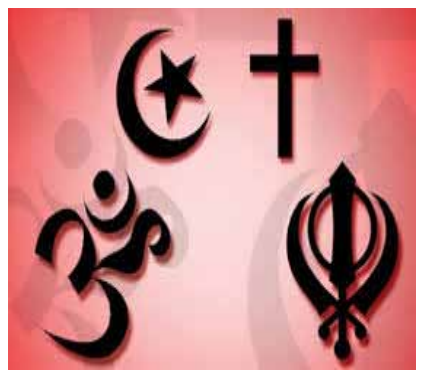

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया–मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा–कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा–वो कैसे?

संत बोले– जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब–जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

आज का इतिहास 18 मई

1643 आस्ट्रिया की एन को फ्रांस में शासन के सारे अधिकार मिले.
1736 रूस ने रोम की मदद से तुर्की पर हमला किया.
1804 नेपोलियन बोनापार्ट को फ्रांस का शहंशाह घोषित किया गया.
1815 प्रसिया,रूस और आस्ट्रिया में शांति संधि हुई.
1899 अंतर्राष्ट्रीय शांति सम्मेलन का आयोजन हेंग नीदरलैंड्स में हुआ था.
1912 आर.जी.टोनी की फिल्म पुंडलिक मुंबई में प्रदर्शित की गई.
1919 ब्रिटिश दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल का जन्म हुआ.
1944 द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी में कई महत्वपूर्ण ठिकाने छीन लिये गए.
1954 यूरोपीय मानवाधिकार घोषणापत्र प्रभावी हुआ.
1967 राष्ट्रसंघ सेना गाजा पट्टी से हटाने की घोषणा की गई.
1974 भारत ने पहला परमाणु परीक्षण राजस्थान के रेगिस्तान में किया.
1988 अफगानिस्तान से सोवियत सैनिकों की वापसी शुरु हुई.
1995 राजस्थान के पूर्व राज्यपाल और उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सुखदेव प्रसाद का निधन.

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर ने रामलाल को सलाह दी, "अगर तुम शराब पीना छोड़ दोगे, तो तुम्हारी जिंदगी लम्बी हो जाएगी।"

रामलाल ने थोड़ी देर सोचा फिर कुछ याद करते हुए कहा, "आप शायद ठीक ही कहते हैं डॉक्टर साहब चार-पांच महीने पहले मैंने एक दिन शराब नहीं पी थी... सचमुच उतना लम्बा दिन मैंने जिंदगी में कभी नहीं बिताया।"

☺ ☺ ☺

रेशमा, "अजी, क्या यह सच है कि रूपए-पैसे बोलते हैं?"

विनय, "हां, कहते तो ऐसा ही हैं।"

रेशमा, "तो फिर तुम मुझे कुछ पैसे दे जाना मैं घर में अकेली बैठी बोर होती रहती हूं।"

☺ ☺ ☺

एक दुकान पर बोर्ड लगा था, 'मेरा भारत महान्' किसी ,मनचले ने उसके नीचे पेंट से लिख दिया, 'जिसमें सौ में से 90 बेईमान।"

☺ ☺ ☺

श्यामजी (धोबी से), "यह तुम ने क्या किया, मेरी चादर के दो टुकड़े कर दिए?"

धोबी, "बाबूजी, इस पुरानी चादर के दो टुकड़े तो होने ही थे, आप करते या मुझ से हो गए। आप को तो मेरा शुक्रगुजार होना चाहिए कि दो टुकड़े धोकर भी मैं धुलाई केवल एक की ही ले रहा हूं।"

दैनिक पंचांग

18 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

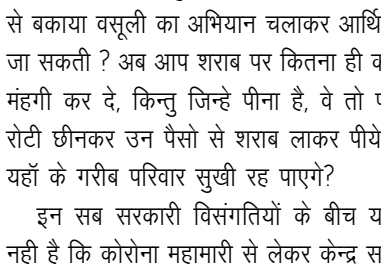

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	5.05 बजे से
चंद्र	मीन में	मिथुन	7.07 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	9.21 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.37 बजे से
गुरु	मकर में	कन्या	13.49 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	15.59 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	18.14 ब.से
राहु	मिथुन में	धनु	20.30 बजे से
केतु	धनु में	मकर	22.35 बजे से
		कुंभ	00.22 बजे से
		मीन	1.55 बजे से
		मेष	3.25 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

सोमवार 2020 वर्ष का 139 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2077 **शक संवत्** 1942
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
पक्ष कृष्ण **तिथि** एकादशी 15.09 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 16.58 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 04.29 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 15.09 बजे तदनन्तर कौलव 04.21 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 36'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870522
जूलियन दिन 2458987.5
कलियुग संवत् 5121
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2546
हिजरी सन् 1441
महीना रमजान **तारीख** 24
विशेष अचला/अपरा एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः डॉक्टर की पहचान

सायनशास्त्री नागार्जुन एक राज्य के राज वैद्य थे। एक दिन उन्हें राजा से कहा, 'मुझे एक सहायक की जरूरत है।' राजा ने उन पास दो कुशल युवकों को भेजा और कहा कि उनमें से जो ज्यादा योग्य ल उसे रख लें। नागार्जुन ने दोनों की कई तरह से परीक्षा ली पर दोनों योग्यता एक जैसी थी। नागार्जुन दुविधा में पड़ गए कि आखिर किसे र अंत में उन्होंने दोनों युवकों को एक पदार्थ दिया और कहा, 'इसे पहचान क कोई भी एक रसायन अपनी इच्छानुसार बनाकर ले आओ। हां, तुम दो सीधे न जाकर राजमार्ग के रास्ते से जाना।' दोनों राजमार्ग से होकर अप अपने घर चले गए। दूसरे दिन दोनों युवक आए। उनमें से एक युवक रसाय बना कर लाया था जबकि दूसरा खाली हाथ आया था। आचार्य ने रसायन जांच की। उसे बनाने वाले युवक से उसके गुण-दोष पूछे। रसायन में क कमी नहीं थी। आचार्य ने दूसरे युवक से पूछा, 'तुम रसायन क्यों नहीं लाए उस युवक ने कहा, 'मैं पहचान तो गया था मगर उसका कोई रसायन तैयार नहीं कर सका। जब मैं राजमार्ग से जा रहा था तो देखा कि एक पेड़ नीचे एक बीमार और अशक्त आदमी दर्द से तड़प रहा है। मैं उसे अपने घर आया और उसी की सेवा में इतना उलझ गया कि रसायन तैयार करने समय ही नहीं मिला।' नागार्जुन ने उसे अपना सहायक रख लिया। दूसरे वि राजा ने नागार्जुन से पूछा, 'आचार्य। जिसने रसायन नहीं बनाया उसे आपने रख लिया। ऐसा क्यों?' नागार्जुन ने कहा, 'महाराज दोनों एक रा से गए थे। एक ने बीमार को देखा और दूसरे ने उसे अनदेखा कर दि रसायन बनाना कोई जटिल नहीं था। मुझे तो यह जानना था कि दोनों कौन मानव सेवा करने में समर्थ है। बीमार व्यक्ति चिकित्सक की दवा ज्यादा उसके स्नेह और सेवा भावना से ठीक होता है, इसलिए मेरे काम व्यक्ति वही है जिसे मैंने चुना है।'

राजकाज

लॉकडाउन का चौथा चरण

लॉकडाउन के तीन चरण पूरे कर लेने के बाद देश इसके चौथे चरण के लिए कमर कस रहा है। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई तमाम मोर्चों पर पूरी शिद्दत के साथ जारी है। भारत में संक्रमण का पता लगाने के लिए किए गए टेस्ट्स की संख्या 20 लाख को पार कर गई है। संसाधनों की सीमा को देखते हुए माना जा रहा था कि यह लक्ष्य मई के अंत तक ही हासिल हो पाएगा। मगर सरकारी और गैर–सरकारी लैब्स में कोरोना वॉरियर्स के दिन–रात लगे रहने का परिणाम है कि यह टारगेट दो सप्ताह पहले ही हासिल कर लिया गया।

मजदूर को मिले राहत

केंद्र सरकार ने प्रवासी मजदूरों, किसानों और वंचित तबके की तत्काल मदद के लिए जो राहत पैकेज घोषित किया है, उससे यह उम्मीद बंधी है कि अब इस गरीब तबके को रात को भूखा नहीं सोना पड़ेगा। ऐसे में अब करीब आठ करोड़ प्रवासी मजदूरों को अगले दो महीने तक प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज और प्रति परिवार एक किलो दाल मुफ्त मिलेगी। एक देश एक राशन कार्ड योजना के तहत ज्यादातर प्रवासी मजदूर अपने राशन कार्ड से इसे किसी भी राज्य में ले सकते हैं। लेकिन दिक्कत अभी की है। मजदूर सड़क पर है और बेबस है।

राज्यों की बढ़ी जिम्मेदारी

केंद्र ने योजनाओं और पैकेज का एलान तो कर दिया है। अब जिम्मेदारी है राज्यों की। देखना होगा कि राज्य कितने प्रभावशाली तरीके से कदम उठाते और कैसे इन राहत पैकेजों का लाभ प्रवासी कामगारों तक पहुंचाते हैं। समस्या यह भी कि हमारा तंत्र भ्रष्टाचार से अभी पूरी तरह से मुक्त नहीं हो पाया है। ऐसे में हर जरूरतमंद तक राहत पहुंचाना बड़ी चुनौती है। यह कोई छिपी बात नहीं है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली का भक्ष्रा ही भ्रष्टाचार के कारण बैठा। ऐसे में हर गरीब को बिना किसी अड़चन के राशन मिलता रहे, यह सुनिश्चित करना होगा।

लॉकडाउन में जल्दबाजी

सरकार ने जिस तरह की मदद का एलान अब किया है, इसकी जरूरत काफी पहले से महसूस की जा रही था। लॉकडाउन लागू होने के बाद से ही समाज का बेहद गरीब तबका सबसे ज्यादा मुश्किलों का सामना कर रहा है। इसमें कोई शक नहीं कि अगर योजनाबद्ध तरीके से लॉकडाउन लागू किया जाता, तो शायद इतने बड़े पैमाने पर मजदूरों के पलायन की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता और उन्हें बेमौत न मरना पड़ता।

आज का कार्टून।

कहानी हल्के, नन्हे और उनके लंबे सफर की..... (ग्राउंड रिपोर्ट)

वो दोनों मुझे ऐसे मिलेंगे सोचा नहीं था। जब दफतर से रात में सड़कों पर चल रहे प्रवासी मज. दूरों की कहानी करने को कहा गया तो सोचा कौन मिलेगा अंधेरी रातों में सडकों पर इस तरह चलते हुये। रात गहराते ही हम निकल पडे भोपाल के बाहर विदिशा बाइपास पर। दरअसल ये बाइपास पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र की सीमा से आकर इंदौर से भोपाल, विदिशा, सागर और झांसी या फिर रीवा होकर इलाहाबाद जाने वाले प्रवासी मजदूरों का ही रास्ता बना हुआ था। सुबह दोपहर तो भोपाल से विदिशा जानेवाला ये मोड महाराष्ट्र खासकर मुंबई से आ रही छोटी बडी गाड़ियों से भरा ही रहता था। ये हम जानते थे मगर रात के अंधेरे में भी इस बाइपास पर जाते हुये लोग मिलेंगे अंदाज़ा नहीं था। मगर ये क्या इस चौराहे पर देर रात में भी महाराष्ट्र वाली गाडियां लगातार आ रहीं थीं। चौराहे पर हो रही चहल पहल को देख ये लंबा सफर करने वाले रुकते रास्ता पूछते साथ लाया या रास्ते में मिला कुछ खाते नहीं तो पानी पीकर पेट भरते फिर साथ के बच्चों को किनारे ले जाकर शूशू कराते और निकल पडते लंबे सफर पर। इस मोड पर मुंबई से आ रहे आटो वालों से बात कर जब हम लौट रहे थे तो सुनसान सडक पर किनारे की ओर सडक परबैठी कुछ आकृतियां हमें दिखीं।ड्राइवर संजय को हमने गाडी धीरे करने को कहा और उनके पास पहुंचते ही वो तीन परछाइयाँ हमारी गाडी की खिडकी के पास चिपक कर खडी हो गयीं। मुंह पर बंधा कपडा और पीठ पर लटके बैग से ही लग गया कि ये सब भी वक्त के मारे प्रवासी श्रमिक हैं जो यहां सड़क किनारे गिटटी के ढेर पर बैठे हुये थे। गाडी रूकते ही वो हाथ जोडकर कातर भाव से बोलने लगे भाइ साहब हमें मंडीदीप तक पहुंचा दो हम कई दिनों से चल रहे हैं। इस बीच में, मैं गाडीसे बाहर निकल आया था और उनसे थोडी दूरी बनाकर बातचीत की कोशिश करने लगा। तब तक हमारे साथी होमेंद्र का कैमरा भी चालू हो गया था, हमको हमारी कहानी के किरदार मिल गये थे। क्या नाम है तुम्हारा एक ने कहा हल्के तो दूसरे ने बताया नन्हे। मुझे हल्की हंसी आयी कि दोनों नामों का मतलब भी एक और दोनों की परेशानी भी एक जैसी ही है। मैंने पूछा यहां पत्थरों पर क्यों बैठे हो वहां पास में पेट्रोल पंप है वहां क्यों नहीं रूके हल्के ने कहा भाई साहब पेट्रोल पंप वाले ने डांट कर भगा दिया कहा कि यहां क्यों भीड कर रहे हो। ये बात सुनकर मैं हैरान रह गया

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेठी में किसान नेता की गोली मार कर हत्या,जांच पड़ताल में जुटी पुलिस.

ईएमएस(अमेठी):यूपी के अमेठी में लॉकड. ाउन के बीच हत्या की बड़ी वारदात सामने आई। जहां बाजार से घर जाते समय भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा को अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी।गंभीर हालत में प्रमोद मिश्रा को सुल्तानपुर जिला अस्पताल रिफर किया गया जहां अस्पताल जाते समय रास्ते मे उनकी मौत हो गई।घटना के बाद तनाव की स्थिति को देखते हुए गांव में पीएसी के अलावा कई थानों की फोर्स को तैनात कर दिया गया है।वही पुलिस बदमाशो की तलाश में जुट गई है।

मामला अमेठी कोतवाली क्षेत्र के लोनियापुर गांव का है जहां देर शाम पड़ोस के गांव श्रीरामपुर के रहने वाले अमेठी भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा को अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी।घटना को अंजाम देने के बाद हत्यारोपी मौके से फरार हो गए।गोली मारने की सूचना मिलते ही गंभीर रूप से घायल प्रमोद मिश्रा को परिजन अमेठी सीएचसी लेकर पहुँचे जहां डॉक्टरों ने गं. भीर स्थिति देखते हुए जिला अस्पताल रिफर कर दिया जहां अस्पताल पहुँचने से पहले उनकी मौत हो गई। वही घटना के बाद खुद एएसपी दयाराम और सीओ पीयूषकांत राय ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और तनाव की स्थिति को देखते हुए पीएसी के अलावा बड़ी संख्या में पुलिसबल को भी मौके पर तैनात कर दिया गया है।फिलहाल पुलिस हत्यारोपियों की तलाश में जुट गई है। वही पूरे मामले पर अमेठी पुलिस अधीक्षक ख्याति गर्ग ने कहा कि किसान यूनियन टिकैट ग्रुप के किसान नेता प्रमोद मिश्रा को अज्ञात लोगों ने गोली मारी उनके परिजनों ने उन्हें सीएचसी पहुंचाया जहां से उन्हें सुल्तानपुर जिला अस्पताल भेजा गया जहां उनका निधन हो गया इस घटना में अभी कोई तथ्य प्रकाश में नहीं आए हैं हमारे द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया जा रहा है जल्द ही घटना का खुलासा करते हुए दोषियों की गिरफ्तारी की जाएगी ।

सीएम योगी की अपील, प्रवासी मजदूर अवैध एवं असुरक्षित वाहनों से नहीं करे यात्रा

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रवासी मजदूरों से पैदल, दोपहिया वाहन तथा ट्रक जैसे अवैध एवं असुरक्षित वाहनों से न आने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने पर अवैध वाहन को फौरन जब्त कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कामगार एवं श्रमिक असुरक्षित ढंग से यात्रा न करें। इन कामगारों को रोककर सबसे पहले उन्हें भोजन एवं पानी उपलब्ध कराया जाए। इसके बाद उनकी स्क्रीनिंग कर उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक ढंग से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस पैदल चलने वालों को जागरूक करते हुए इन्हें रोका। दिल्ली में ट्रेनों का गंतव्य समाप्त होने की स्थिति में प्रवासी श्रमिकों को लिंक ट्रेनों से लाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आने वाले प्रवासी कामगारों के लिए सभी तरह के प्रबंध किए जाएं। सब्जी, फल विक्रेताओं से संक्रमण के प्रसार की आशंका के मद्देनजर उनकी जांच करे। मुख्यमंत्री ने

शनिवार रात राज्य के सभी जिलाधिकारियों, जिला पुलिस प्रमुखों तथा मुख्य चिकित्साधिकारियों के साथ समीक्षा के दौरान कहा कि वर्तमान में प्रवासी कामगारों/श्रमिकों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक ढंग से उनके गंतव्य तक पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, सुनिश्चित किया जाए कि प्रवासी **उन्होंने निर्देश दिए कि आवश्यकतानुसार निजी बसों का भी उपयोग करे। योगी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रवासी श्रमिकों को रेलगाड़ी से निःशुल्क प्रदेश में लाया जा रहा है।**

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, मथुरा, फिरोजाबाद, आगरा, झांसी, महोबा, चित्रकूट, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, बांदा, जालौन, कानपुर जनपदों के जिलाधिकारियों से उनके जनपदों में प्रवासी श्रमिकों के आगमन की स्थिति, कोविड अस्पतालों की व्यवस्थाओं आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

औरैया हादसे के बाद पांच करीबी दोस्तों का अब तक पता नहीं चला,गुड्डू ने फफकते हुए

औरैया (ईएमएस)। औरैया हादसा जितना दर्दनाक था, उससे ज्यादा मार्मिक बाद के हालात थे, जिन्हें देख और सुनकर लोग रो पड़े। राजस्थान में संगमरमर की एक खदान में काम करने वाला गुड्डू हादसे में बच गया। उसे मामूली चोटें आई हैं, लेकिन औरैया जिला अस्पताल में वह फफककर रो रहा था। उसने बताया कि उसके बेहद करीबी 5 दोस्तों का कुछ पता नहीं है। वहां मौजूद डॉक्टर और पुलिसवाले भी उसे ढांढस बंधा रहे थे, लेकिन किसी के पास कोई जवाब नहीं था। पश्चिम बंगाल के रहने वाले गुड्डू ने बताया कि लॉकडाउन के कारण काम नहीं था और खाने की समस्या बढ़ने लगी थी। इसके बाद साथ काम करने वाले 40 लोगों ने घर लौटने का फैसला किया।

सभी लोग बस से एक दिन पहने भरतपुर पहुंच गए थे। राजस्थान पुलिस ने रोक लिया और आगे नहीं जाने दिया। काफी आरजू–मिन्नत के बाद पुलिसवालों का दिल पसीजा, लेकिन उन्होंने साफ कह दिया कि किसी को बस से नहीं जाने देंगे। कुछ घंटों के इंतजार के बाद पुलिस ने माल लदे एक ट्रक में उन सभी लोगों को चढ़ा दिया।

रोते हुए गुड्डू बोला, सुबह के लगभग तीन बजे थे। किसी को नींद आ रही थी तो कोई भूख से विचलित हो रहा था। कुछ लोगों के पास रोटियां थीं। तय हुआ कि आगे जो ढाबा मिलेगा, उसमें रुककर रोटियां बांटेंगे और खा लेंगे। तभी अचानक हादसा हो गया। यह बात कहते हैं कि गुड्डू शून्य में चला गया। कुछ देर बाद बोला, रोटियां तो नसीब में नहीं हैं। मजदूर हैं न हम, मरेंगे ही।

यमराज की दूत बनी भरतपुर पुलिस, बस से उतार कर श्रमिकों को ट्रक में बिठाया, जो औरैया में हादसे का शिकार हुआ

गुड्डू के कष्टों का ब्यौरा सुन कर वहां मौजूद कोई भी अपने आंसू नहीं रोक पाया। तभी उसे अचानक याद आया कि उसके 5 दोस्त वहां नहीं हैं। वॉर्ड में आसपास के बेड देखे, लेकिन कोई भी गुड्डू का साथी नहीं था। उसे नाम पुकारे। डॉक्टरों और नर्स से पूछा, लेकिन किसी को कुछ पता नहीं था। गुड्डू रो रहा था, लेकिन अनजाने डर से कुछ भी नहीं कह रहा था।

औरैया में हुए हादसे में कुशीनगर के अर्जुन की मौत हो गई। अर्जुन बुजुर्ग मां–बाप का इकलौता सहारा था। पत्नी के साथ दो मासूम बच्चों का वह पालनहार था। राजस्थान कमाने गया अर्जुन वहां कमाने के साथ घर मां–बाप के लिए बचाकर पैसा भेजा करता था। अर्जुन के पिता कहते हैं कि हम सोचले रहनी कि अर्जुनवा हमरे चिता के आगी देई, मगर हे भगवान ई का कर दिहल, कौने जनम का बदला बुढ़ापा में हम हन से लिहल कि उल्टे हमही के ओकरे चिता के आगी देबे के परी। भदोही जिले के औराई थानाक्षेत्र के उगापुर गांव में एक टूटी झोपड़ी के बाहर शनिवार दोपहर को गांव वालों की भीड़ लगी थी। झोपड़ी को पक्का करने का सपना देखते हुए श्रीधर विश्वकर्मा का 25 साल का बेटा मुकेश विश्वकर्मा राजस्थान गया था। लॉकडाउन के बाद तंगहाली में वहां एक–एक दिन काट रहा मुकेश किसी तरह वहां से शुक्रवार को जब निकला तो मां के साथ पत्नी को फोन किया ट्रक मिल गया है। शनिवार की शाम तक पहुंच जाएंगे। शनिवार को ही मुकेश की शादी की सालगिरह थी।

औरैया हादसे में मरे मजदूरों में कइयों की मौत स्वांस नली में चूना भर जाने से हुई, कानपुर आईजी को सौंपी जांच

औरैया (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में मजदूरों से भरे दो ट्रक लगभग तीन बजे तड़के नेशनल हाईवे पर टकरा गए थे। इस दर्दनाक हादसे में 25 मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि 40 लोग घायल हुए हैं। इस हादसे की जांच आईजी कानपुर मोहित अग्रवाल को सौंपी गई है।

पुलिस के मुताबिक, दिल्ली से मजदूरों को ले जा रहा मिनी ट्रक चाय के ढाबे पर रुका था। तभी चूने की बोरियों के साथ मजदूरों को राजस्थान से लेकर आ रहे ट्रक ने खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। हादसा इतना जबर्दस्त था कि दोनों ट्रक गड्ढे में पलट गए और कई मजदूरों की नींद में ही मौत हो गई। हादसे के वक्त मिनी ट्रक के 24 से ज्यादा मजदूर चाय पीने के लिए एक दुकान पर रुके थे, वे इस हादसे में बच गए।

पुलिस जांच में सामने आया है कि हादसे में मरने वाले मजदूरों में कइयों की मौत मुंह में चूना भर जाने की वजह से हुई है। औरैया हादसे में दम तोड़ने वाले सभी लोगों का आरटी–पीसीआर टेस्ट होगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन शवों की थी, जिनकी सांस नली में चूना चला गया था। हादसे का शिकार हुए कई लोगों की मौत स्वांस नली में चूना भर जाने की वजह से हो गई।

आईजी मोहित अग्रवाल के मुताबिक, औरैया के सीएमओ ने आश्वस्त किया है कि शवों के फेफड़ों से स्वैब लेकर आरटी–पीसीआर टेस्ट करवाया जाएगा। इसके बाद मेडिकल प्रोटोकॉल के तहत ही शवों के अंतिम संस्कार की इजाजत दी जाएगी। इस हादसे में मरने वाले लोगों में 15 की ही पहचान की जा सकी है, जिनमें 7 झारखंड, 4 बंगाल और 3 यूपी से हैं। गंभीर रूप से घायल 14 मजदूरों को सैफई के पीजीआई में भर्ती कराया गया है, जबकि 22 घायलों को औरैया के अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत.जांच में जुटी पुलिस.

ईएमएस(अमेठी):जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के एक गाँव में एक विवाहिता की मौत हो गयी। ससुराली जन जहां मौत की वजह बीमारी बताते हैं वहीं मृतका के मायके वालों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से कारवाई की मांग की है।वही सूचना पर पहुँची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पीएम के भेज दिया और जांच पड़ताल में जुट गई है.सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मुसाफिरखाना थानाक्षेत्र के पूरे कंगाल मजरे जमुवारी से पुलिस को एक विवाहिता के मौत की सूचना रविवार अपरान्ह मिली।मौके पर जब पुलिस पहुंची तो उक्त गांव में एक विवाहिता की मौत की जानकारी मिली। जानकारी के मुताबिक ससुराली जन जहाँ महिला की मौत की वजह बीमारी बता रहे थे,वहीं मृतका के मायके वाले विवाहिता के साथ मारपीट करते हुए हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त कर रहे है।जानकारी के मुबातिक मृतक विवाहिता की करीब डेढ़ साल की बच्ची है।वही सूचना पाकर मौके पर पहुंचे सीओ मुसाफिरखाना सन्तोष कुमार सिंह ने भी आवश्यक पूछतांछ और जानकारी ली। सीओ संतोष कुमार ने बताया कि मृतका के मायके वाले हत्या की आशंका जता रहे हैं जबकि ससुराली जन मारपीट से इंकार कर रहे हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। तहरीर मिलने पर मामला दर्ज कर आवश्यक कार्यवाई की जाएगी।

यूपी में कोविड–19 संक्रमण के 213 नये मामले आये, कुल प्रकरण 4353 हुए

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में रविवार को कोविड–19 संक्रमण के 213 नये मामले आने के साथ ही राज्य में इस संक्रमण के मामलों की संख्या बढकर 4353 हो गयी है। प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि अब तक प्रदेश के 75 जिलों से 4353 कोरोना संक्रमण के मामले सामने आये हैं। प्रदेश के 72 जिलों में कोरोना के सक्रिय संक्रमण के मरीजों की संख्या 1805 है। उन्होंने बताया कि 213 मामले नये हैं। अब तक 2444 मरीज पूर्णतया उपचारित हो चुके हैं जबकि 104 लोगों ने कोरोना संक्रमण से जान गंवायी है। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में 56,019 आइसोलेशन एवं 26,419 क्वारेंटाइन बेड हैं। वेंटीलेटर बेड की संख्या 1260 है। पूरे प्रदेश में 10,201 लोगों को पृथकवास केन्द्रों में रखा गया है। प्रदेश में टेस्टिंग लैब की संख्या 27 है। स्वास्थ्य विभाग के नियंत्रण कक्ष से 11 हजार से अधिक लोगों से संपर्क कर स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी गयी है। उन्होंने बताया कि स्र्विलांस टीमें लगातार सर्वेक्षण का कार्य कर रही हैं। कुल 78,576 टीमों ने 64 लाख से अधिक घरों और इन घरों में तीन करोड 19 लाख से अधिक लोगों का सर्वेक्षण किया है। उन्होंने बताया कि जो प्रवासी कामगार घर पर पृथकवास में रह रहे हैं, आशा कार्यकर्ता लगातार उनके स्वास्थ्य की जानकारी ले रही हैं। अब तक तीन लाख 72 हजार से अधिक प्रवासी कामगारों के स्वास्थ्य का सर्वेक्षण किया गया है और 414 लोगों को इंफ्लुएंजा या सांस लेने में तकलीफ जैसे कोई ना कोई लक्षण हैं। उनकी जांच की जा रही है।

प्रवासी मजदूरों को लेकर मायावती ने भाजपा–कांग्रेस दोनों पर बोला हमला

लखनऊ (ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा के साथ राहुल गांधी व प्रियंका का नाम लिए बिना कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि भाजपा शासित राज्यों में प्रवासी मजदूरों की उपेक्षा हो रही है। कांग्रेस को इससे सबक लेते हुए यूपी की बजाय पंजाब व चंडीगढ़ 1000 बसें भेजनी चाहिए। बसपा नेत्री मायावती ने रविवार को ट्वीट कर कहा है कि भ. ाजपा शासित राज्यों में प्रवासी मजदूरों की लगातार हो रही घोर उपेक्षा के कारण काफी श्रमिकों के परिवारों को आए दिन दुर्घटना का शिकार होना पड़ रहा है। अभी तक इनकी काफी दर्दनाक मौतें भी हो चुकी हैं जो अति दुखद है। कांग्रेसी नेताओं को इससे सबक सीखना चाहिए, क्योंकि पंजाब व चंडीगढ़ से काफी प्रवासी यूपी के मजदूर हैं। ये लोग वहां की सरकार की अनदेखी व उपेक्षा से यमुना नदी के जरिए भी घर वापसी कर रहे हैं, जिनके साथ कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है।

उन्होंने कहा है कि ऐसे में बेहतर होगा कि कांग्रेस पार्टी अपनी बसें पहले पंजाब व चंडीगढ़ भेजे, ताकि वे पीड़ित श्रमिक यमुना नदी में अपनी जान जोखिम में डालने के बजाए सड़क के जरिए सुरक्षित यूपी पहुच सकें। इसी प्रकार कांग्रेसी नेता लोग दिल्ली में मजदूरों से मिलने के दौरान यदि प्रवासी मजदूरों की कुछ आर्थिक मदद व खाने आदि की व्यवस्था भी कर देते तो उन्हें थोड़ी राहत जरूर मिल जाती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को उनके दुख–दर्द को बांटने के साथ–साथ बसपा की तरह उनकी कुछ मदद भी जरूर करनी चाहिए।

नोएडा में 18 दिन की बच्ची ने कोविड–19 को मात दी

नोएडा (ईएमएस)। कोरोना संक्रमण से पीड़ित 18 दिन की बच्ची स्वस्थ हो गई है। संक्रमण से ठीक होने वाले मरीजों में यह सबसे कम उम्र की है। बच्ची को दो सप्ताह पहले जिम्स से शिशु अस्पताल रेफर किया था। इससे पहले 4 महीने के बच्चे का भी सफल इलाज शिशु अस्पताल के डॉक्टरों ने किया था। जिले के 18 साल से कम उम्र के कोरोना मरीजों का इलाज यहीं किया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा के जिम्स से नवजात को सुपर स्पेश्यलिटी शिशु अस्पताल में तीन मई को भर्ती कराया गया था। इस दौरान बच्चा 2 दिन का था। निठारी गांव का इस बच्चे के साथ मां और पिता भी संक्रमित थे। संक्रमण के बाद बच्ची के पिता और मां को जिम्स में भर्ती कराया गया था। बच्ची का जन्म जिम्स में ही हुआ था। इसके बाद नवजात की पहली जांच रिपोर्ट तीन दिन पहले आई थी। इसके बाद दूसरी जांच रिपोर्ट शनिवार को आई। दूसरी जांच रिपोर्ट भी निगेटिव आने के बाद नवजात को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। बच्ची के साथ ही बच्ची की मां और पिता की भी जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है।

रचना

दिल–ए–गुस्ताखियां

मैं आवाज देती रही तुम्हें ,
तुमने बेख्याली भी बेहिसाब कर दी !!
कैसे छोड़ दूं मैं दामन तुम्हारा
बून्द बून्द लहू में दीदार तुम्हारा !!
अब तो जिक्र कर लो जमाने से मुझे
यूं कब तक पर्दा–नशीन रखोगे !!
कुछ भी कीमती नहीं मुझे,
मेरा वकत और मैं तुम्हारे ही तो हैं !!
जिस्म तो तुमने छूआ ही नहीं ,
लेकिन शिद्दत से अपना बना गये !!
इस तरह शीशे से उतर गये हो दिल मे,
जमाना कुछ भी कहे, दिल मन्जूरी नहीं देता !!
यह कैसा मंजर है ,मेरे सामने
हवा के हर झोंके तेरी चुभन दे रहे हैं !!
तुम छू लेते हो रुह मेरी हर मर्तबा
अब दूरी का एहसास ही कहाँ है !!
ये मस्ती, ये शोखियॉं,
हवा मे घुलती तेरी मदहोशियॉं ,
बदन मे गुफ्तगु करती नादानियॉं ,
चंचल सी तेरी नज़दीकियॉं !!
बस ऐसे ही करते रहिये थोड़ी–थोड़ी गुफ्तगू ,
बेइन्तहा हो गयी लोकडाउन खुलने की !!
दिल भी नादनियॉं तुमसे ही करता है ,
न तो अदब से पेश आती है 'सरला' !!
हर रोज तेरी चाहत के घरोन्दे बनाती हूं,
कभी तो चार बात साथ बैठकर करेन्गे !!
दिल के हर दरख़्त में तुम्हारी ही मौजूदगी है
बेख्याली के पैबन्दो से पार इश्क है मेरा !!

प्रो. युक्ति वार्ष्णेय 'सरला'
मुरादाबाद

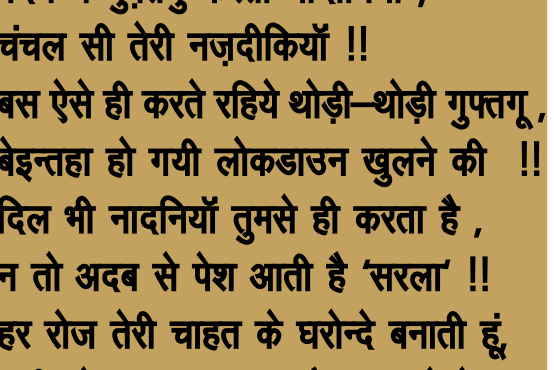

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अगले तीन–चार दिन श्रमिकों के लिए उड़ीसा की ट्रेन नहीं चलेगी : डीजीपी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा ने स्पष्ट किया है कि उड़ीसा में चक्रवाती तूफान के चलते अगले तीन–चार दिनों तक श्रमिकों लेकर कोई ट्रेन उड़ीसा नहीं जाएगीं ।ंउन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने आगामी दिनों में चक्रवाती तूफान का अलर्ट दिया है और इसका ज्यादा असर

उड़ीसा होने की संभावना व्यक्त की है। मौसम विभाग के अलर्ट के चलते उड़ीसा प्रशासन पूर्व तैयारियों में व्यस्त होने के कारण गुजरात से तीन–चार दिन तक श्रमिकों के लिए उड़ीसा भेजने की प्रक्रिया स्थगित की गई है। उन्होंने उड़ीसा जाने वाले श्रमिकों से अपील की है कि वह धैर्य और शांति बनाए रखें। उड़ीसा जाने की मंजूरी मिलते ही उनके लिए ट्रेन चलाई जाएगी। शिवानंद झा ने कहा कि पिछले कई दिनों से श्रमिकों को उनके गृह राज्य भेजने की व्यवस्था प्रशासन की ओर से की जा रही है। इसके लिए संबंधित राज्य द्वारा व्यवस्था या प्रक्रिया के कारण विलंब संभाव है। इसलिए किसी प्रकार की अफवाह और विलंब के कारण पुलिस–प्रशासन से संघर्ष करना उचित नहीं है। ऐसी किसी प्रकार की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजकोट के शापर में ट्रेन रद्द किए जाने के बाद प्रवासी श्रमिक पुलिस–प्रशासन के साथ घर्षण पर उतर आए। पुलिस और मीडियाकर्मियों पर हमला किया। हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे आवेश में आकर पुलिस, स्थानीय प्रशासन और मीडिया के साथ संघर्ष से बचें। ट्रेन रद्द होने के कई कारण हो सकते हैं और विलंब होने पर दोबारी व्यवस्था की जाएगी। जल्द से जल्द प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्य भेजने के प्रयास लगातार जारी है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि कोई भी प्रवासी श्रमिक पैदल आंतरराज्यीय आवागमन नहीं कर सकेगा। दोनों राज्यों के बीच संकलन होने के बाद लोग आवाजाही कर सकेंगे। गृह राज्य जाने के इच्छुक प्रवासी श्रमिक पंजीकरण कराएं, ताकि उनके लिए ट्रेन या बस की व्यवस्था की जा सके। अपने गृह राज्य की ओर पदयात्रा करने वाले प्रवासी श्रमिकों को निकट के शेल्टर होम में रखने के बाद उन्हें भेजने की व्यवस्था की जा रही है।

राजकोट में 500 प्रवासी मजदूरों ने किया हंगामा, शांत करने पहुंचे पुलिस अधीक्षक हुए घायल

राजकोट (ईएमएस)। कोरोना की महामारी से निपटने के लिए लागू लॉकडाउन के तीसरे चरण में कई ढील दी गई है।तमाम राज्यों की सरकारों ने ग्रीन जोन में उद्योग–व्यापार

शुरू करने की इजाजत दे दी।इसके बाद कुछ दुकानें भी खुलने लगीं। मजदूरों को काम भी मिलने लगा, लेकिन इसके बाद भी प्रवासी मजदूरों के गृह राज्य लौटने का न सिलसिला कम हुआ है और ना ही बेचैनी। हरियाणा, पंजाब, दिल्ली के बाद गुजरात के राजकोट में भी घर जाने की मांग को लेकर प्रवासी मजदूर सड़क पर उतर आए। गुजरात के राजकोट में शापर–वेरावल हाईवे पर रविवार को आक्रोशित मजदूरों ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान आक्रोशित मजदूरों ने तोडफोड़ की और कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान मजदूरों को शांत कराने की कोशिश में राज. कोट के पुलिस अधीक्षक बलराम मीणा घायल हो गए। काफी मशक्कत के बाद मजदूरों को घर भेजने का आश्वासन देकर प्रशासनिक अधिकारियों ने किसी तरह शांत कराया.

बताया जाता है कि 500 से अधिक मजदूर और उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। प्रवासी मजदूरों ने तोड़फोड़ शुरू कर दी। मजदूरों के हंगामा करने की सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक बलराज मीणा इन्हें समझाने के लिए मौके पर पहुंचे। गौरतलब है कि पैदल ही अपने घर जा रहे मजदूरों ने हरियाणा के यमुनानगर में हाईवे जाम कर प्रदर्शन किया।

पुलिस व मीडिया कर्मी पर हमला, 29 आरोपी गिरफ्तार

राजकोट (ईएमएस)द्य कोराना के होटस्पोट इलाके जंगलेश्वर में पुलिस पर मीडिया कर्मी पर हमलाव करनेवाले 29 शख्सों को पुलिस के गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरु की है।

राजकोट के रेन्ज आईजी संदिप सिंघ ने पुलिस व मीडिया कर्मी पर हमले को लेकर प्रेस परिषद कर जानकारी दी। पुलिस ने 29 हमलावरों को गिरफ्तार कर लियाद्य पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ रायोटींग एवं सरकारी कर्मचारी पर हमला व हत्या का प्रयास का केस दर्ज किया है। आईपीसी की धारा 143, 147, 148, 149, 325, 332, 337, 338, 307 व 395 समेत के धारा के तहत केस दर्ज कर 29 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही सरकारी संपत्ति को नुकसान के बदल भी कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक आज भी शापर में अपने वतन जाने की मांग को लेकर बडी संख्या में लोग इकठ्ठा हो गए। राजकोट निकट शापर–वेरावल में आज श्रमिकों के लिए कोई व्यवस्था न किए जाने के मैसेज वायरल होने पर प्रवासी श्रमिकों की भीड नेशनल हाईवे पर उतरकर वाहनों में तोड़फोड की। भीड ने घटना का कवरेज करने के गए एक मीडिया कर्मी पर भी हमला कर दिया। पुलिस व मीडिया पर हमले के 20 आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जख्मी मीडियाकर्मी के सिर में चार टांके लगे हैद्य इस घटना के बाद पुलिस ने प्रेस कोन्फरन्स कर 29 लोगों को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी और 150 से 200 के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गौरतलब है कि राजकोट में कोरोना का होटस्पोट जंगलेश्वर इलाके में लोगों ने घर से बाहर निकलकर हंगामा मचाया। कल रात्रि के दौरान कलस्टर घोषित इलाकों में लगे बेरीकेड तोड कर हंगामा किया। गुस्साई भीड ने पुलिस की वेन पर भी पथराव किया। पुलिस उच्चाधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर परिस्थिति पर काबु पा लिया।

अमरेली में कोरोना का दूसरा केस, बस में सवार 27 मुसाफिरों की जांच

अमरेली (ईएमएस)। जिले में कोरोना कहर जारी हैद्य जिले के बग. सरा शहर में 11 वर्षीय किशोर का कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव दर्ज हुआ। सुरत से आए किशोर की पुलिस ने ट्रावेल् हिस्ट्री की जांच शुरु की है।

जिला कलेक्टर ने अमरेली जिले के बगसरा शहर में 11 वर्षीय किशोर का कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव आने की पुष्टि की है। सूरत से आए 11 वर्षीय किशोर का रिपोर्ट पोजिटिव आने पर उसकी ट्रावेलिंग हिस्ट्री की भी जांच शुरु की है। सूत्रों के मुताबिक किशोर 13 मई को सूरत से बगसरा बस में आया था। बस में किशोर के साथ मुसाफरी करनेवाले 27 मुसाफिरों की जांच की जा रही है। बगसरा होस्पिटल रोड पर किशोर के निवासस्थान सहित पूरे इलाके को सेनेटाइज की प्रक्रिया शुरु कर दी है। गौरतलब है कि जिले में कोरोना का यह दूसरा केस है। इससे पहले टीम्बाला गांव निवासी वृद्धा का कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव आया थाद्य वहीं अब दूसरा केस बगसरा के 11 वर्षीय किशोर का है। दो दिन पहले ही सूरत से आए किशोर का कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव दर्ज होने पर प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए कार्रवाई शुरु की है।।

कोरोना से अहमदाबाद के तहसीलदार की मौत

अहमदाबाद गुजरात में कोरोना का प्रकोप लगातार बढता जा रहा है। खासकर अहमदाबाद की हालत काफी गंभीर है। अहमदाबाद समेत राज्यभर में कोरोना का आंकडा 10000 को पार कर गया है। इस बीच कोरोना वायरस के खिलाफ जंग लड़ रहे अहमदाबाद के तहसीलदार दिनेश रावल की कोरोना से मौत हो गई। पिछले 15 दिनों से अस्पताल में उपचाराधीन तहसीलदार की आज मौत हो गई। अहमदाबाद के कलेक्टर ने ट्वीट कर यह जानकारी दी तहसीलदार दिनेश रावल कोरोना के खिलाफ जंग हार गए हैं। साथ कहा कि दिनेश रावल की मृत्यु प्रशासन ही नहीं उनके परिवार के लिए बडा नुकसान हुआ है। उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।

प्रवासी मजदूर टिकट कांड सूरत

प्रवासी भाईयो के साथ केवल टिकट की दलाली ही नहीं उनके साथ काफी सारे नियमो का उल्लघंन हो रहा है। 16 मई को प्रयागराज जाने वाली ट्रेन में सरेआम कानून एवम् नियमो का उल्लघंन हो रहा है। सीटों पर जाने वाली की संख्या से लेकर ,मुंह पर मास्क, सामाजिक दूरी रखने वाले नियमो को सारे आम भंग किया जा रहा। रेलवे प्रशासन से निवेदन है कृपया संज्ञान ले साथ ही जांच करवा के उचित कार्यवाही करने की कृपा करे।

सुरत से प्रयागराज जाने वाली ट्रेन में सीट से ज्यादातर आदमी बैठा वीडियो में दिखाई दे रहे हैं क्या 590 की टिकट 800 से 1500 में लेने के बाद भी प्रवासी मजदूरों किस तरह से बैठ कर जा रहे हैं इस फोटो को देखने के बाद ही पता चल रहा हैं अगर जाँच किया जाय तो यह एक बड़े पैमाने पर चल रहे कालाबाजारी सामने आएगा.

पांडेसरा विस्तार में जो लोगों ने पैसा देने के बाद भी टिकट नही मिलाता उन्हें तो कालाबाजारी करने वाले दिन दुगना कमा. ईकर रहे है?

कालाबाजारी करने वाले किस के ईशारे पर च रहा वेपार यह भी एक सवाल ?

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)